डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय,आगरा

(पूर्ववर्तीः आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 14.11.2022 का कार्यवृत्त

विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 14.11.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे जुबली हॉल, पालीवाल पार्क, आगरा में सम्पन्न हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये :–

प्रो0 आशू रानी (अध्यक्ष) – कुलपति

2. प्रो0 अजय तनेजा (प्रति कुलपति)
3. डा0 विवेक
4. प्रो0 दीपमाला श्रीवास्तव
5. प्रो0 गुंजन चतुर्वेदी
6. डा0 रेनू वाला गर्ग
7. प्रो0 निशा अग्रवाल
8. प्रो0 परवेन्द्र कुमार
9. प्रो0 विजय कुमार सिंह
10. डा0 जैसवार गौतम लाल बिहारी
11. प्रो0 अर्चना सिंह
12. प्रो0 मीनाक्षी श्रीवास्तव
13. डा0 प्रीति जौहरी
14. डा0 कल्पना वाजेपयी
15. प्रो0 हेमा पाठक
16. डा0 लता चन्दोंला
17. प्रो0 अजय त्यागी
18. प्रो0 स्मिता श्रीवास्तव
19. प्रो0 अमिता शर्मा
20. प्रो0 विन्दुशेखर शर्मा
21. प्रो0 ब्रजेश रावत
22. प्रो0 वी0पी0 सिंह
23. प्रो0 अनिल गुप्ता (विशेष आमंत्रित सदस्य)
24. प्रो0 अचला गक्खर
25. प्रो0 भूपेन्द्र स्वरूप शर्मा
26. डा0 आर0के0 भारती
27. प्रो0 वी0के0 सारस्वत
28. प्रो0 अनिल कुमार वर्मा
29. प्रो0 एम0के0 उपाध्याय
30. प्रो0 प्रदीप श्रीधर
31. प्रो0 अलका शर्मा
32. प्रो0 संजीव कुमार
33. प्रो0 शरद चन्द्र उपाध्याय
34. प्रो0 यू0एन0 शुक्ला
35. डा0 राधा रानी गुप्ता
36. डा0 आर0के0 शुक्ला
37. डा0 रामवीर सिंह चौहान
38. डा0 संजय कुमार
39. डा0 मनोज कुमार श्रीवास्तव
40. डा0 ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह
41. डा0 के0पी0 सिंह
42. डा0 राजीव द्विवेदी
43. डा0 दुर्गा चरन मिश्रा
44. प्रो0 वी0डी0 शुक्ला
45. प्रो0 आर0के0एस0 धाकरे

.....2

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

46. प्रो0 मोहम्मद अरशद
47. प्रो0 यू0सी0 शर्मा
48. प्रो0 सुगम आनन्द
49. प्रो0 अवनीश कुमार
50. प्रो0 एस0पी0 सिंह
51. डा0 राजेश कुशवाह
52. प्रो0 प्रदीप कुमार वर्मा
53. डा0 एस0के0 जैन
54. डा0 ए0सी0 गुप्ता
55. डा0 संजय जैन (विशेष आमंत्रित सदस्य)
56. डा0 सीमा भदौरिया(विशेष आमंत्रित सदस्य)
57. डा0 नीलम यादव
58. प्रो0 विनीता सिंह
59. डा0 एस0 सी0 सिंघल
60. डा0 सिद्धार्थ
61. प्रो0 रनवीर सिंह
62. डा0 वीरेन्द्र सिंह चौहान
63. प्रो0 यशपाल सिंह
64. डा0 एस0बी0 शर्मा
65. प्रो0 संजय चौधरी
66. डा0 अखिलेश चन्द्र सक्सैना (विशेष आमंत्रित सदस्य)
67. डा0 विजय कुमार सिंह (विशेष आमंत्रित सदस्य)

डा0 विनोद कुमार सिंह, – सचिव

सर्वप्रथम कुलसचिव द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया तथा बैठक में उपस्थित कुलपति जी द्वारा नामित बाह्य विशेषज्ञों प्रो0 अवनीश कुमार, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी, प्रो0 अलका शर्मा, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान एवम् प्रो0 राजेश धाकरे, कुलपति, एम0एस0जे0 ब्रज विश्वविद्यालय, भरतपुर की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त करते हुये विद्या परिषद् के सदस्यों के साथ उनका परिचय कराया गया तथा डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की विद्या परिषद् में बाह्य विशेषज्ञ नामित किये जाने पर उन्हें बधाई देते हुए करतल ध्वनि के साथ उनका स्वागत किया गया, तत्पश्चात् विद्या परिषद् के सदस्यों द्वारा कुलपति जी को डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति बनने पर पर बधाई दी गई एवं हर्ष व्यक्त किया गया, जिसके लिए कुलपति जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया, तदोपरान्त कुलपति की अनुमति से कुलसचिव द्वारा बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई।

मद संख्या-1	विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 04.06.2022 का कार्यवृत्त सम्पुष्टि हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट-1)
निर्णयः-	उक्त मद पर चर्चा के प्रारम्भ में डा0 वीरेन्द्र चौहान द्वारा बाह्य विशेषज्ञों के बैठक में उपस्थित होने पर हर्ष व्यक्त किया गया एवम् डा0 यशपाल सिंह एवं डा0 वीरेन्द्र चौहान द्वारा कार्यसूची के समस्त मदों के संलग्नक बैठक पूर्व से सभी सदस्यों को प्रेषित न किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया, जिस पर सचिव द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि विस्तृत कार्य सूची सभी सदस्यों को, उनके द्वारा उपलब्ध करायी गयी ई0मेल0आई0डी0 पर प्रेषित की गई है, जिस पर बाह्य विशेषज्ञ प्रो0 राजेश धाकरे द्वारा सहमति व्यक्त करते हुये कहा गया लगभग 4000 पेजों के संलग्नकों की Hard कॉपी सभी सदस्यों को प्रेषित किया जाना व्यवहारिक नही है, तत्पश्चात् विद्या

--------3

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

	परिषद् की बैठक दिनांक 04.06.2022 की संस्तुतियों को परिषद् के समक्ष पढ़ा गया, सर्वसम्मति से परिषद् द्वारा कार्यवृत्त की सम्पुष्टि की गयी।
मद संख्या–2 निर्णयः–	परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 08.08.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–2) सचिव द्वारा परीक्षा समिति की संस्तुतियों को परिषद् के समक्ष विस्तृत रूप से पढकर प्रस्तुत किया गया। डा0 यशपाल सिंह द्वारा प्रश्न किया गया कि बैठक ऑन लाइन थी या ऑफ लाइन, जिस पर सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि बैठक दोनों ही Mode में आहूत हुई थी। तत्पश्चात् चर्चा के उपरान्त उक्त संस्तुतियों को सर्वसम्मति से यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–3	कला संकाय की बैठक दिनांक 30.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–3) टिप्पणीः– NEP-2020 के निर्देशानुसार अध्ययन समितियों द्वारा स्नातक स्तर पर III, IV, V एवं VI सेमिस्टर के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करते हुये लगभग 25 प्रतिशत तक पाठ्यक्रम संशोधित किये गये एवं कुछ विषयों में शासन से प्राप्त पाठ्यक्रमों को यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया तथा परास्नातक स्तर पर सभी विषयों के पाठ्यक्रमों की NEP-2020 की Guidelines के अनुसार 100 प्रतिशत नवीन संरचना की गयी। जिनका अनुमोदन कला संकाय द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम निम्नवत् हैः- (i) English (ii) Hindi (iii) Sanskrit (iv) Philosophy (v) Psychology (vi) Economics (vii) Political Science (viii) Geography (ix) Sociology (x) Ancient History & Culture

--------4

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

(xi) Home Science

(xii) B.V.R.I.(1. Village Industries 2. Rural Banking
3. Horticulture 4. C.D. Extension 5. Co-operation)

(xiii) Military Studies.

(xiv) Education.

(xv) Urdu.

(xvi) History.

(xvii) Physical Education

निर्णयः– उक्त मद पर चर्चा प्रारम्भ होते ही सदस्य डा0 वीरेन्द्र चौहान द्वारा Objection उठाया गया कि परास्नातक स्तर पर इसी सत्र से पाठ्यक्रम लागू किया जाना न्याय संगत नही होगा, जिस पर अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि पाठ्यक्रम तो वही है, परन्तु संरचना नई है। वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम को छमाही परीक्षा पाठ्यक्रम में परिवर्तित किया गया है। अतः इसे लागू किये जाने में कोई भी आपत्ति नही होनी चाहिए। विद्या परिषद् के सदस्यों द्वारा यह सुझाव दिया गया कि परीक्षा 15 से 20 दिन विलम्ब से प्रारम्भ किया जाना उचित होगा। डा0 वीरेन्द्र चौहान द्वारा यह प्रश्न उठाया गया कि NEP-2020 के अर्न्तगत समान पाठ्यक्रम लागू किया जाना है, तो क्या विश्वविद्यालय आवासीय इकाई में संचालित पाठ्यक्रम एवम् महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम समान है? प्रतिउत्तर में डीन एकेदमिक द्वारा अवगत कराया गया कि जो विषय विश्वविद्यालय आवासीय इकाई एवम् महाविद्यालयों में समान रूप से संचालित है उन विषयों का पाठ्यक्रम आवासीय इकाई की एकेडेमिक कमेटी के सदस्य एवम् महाविद्यालयों की बोर्ड ऑफ स्टडीज के संदस्यों द्वारा सम्मलित रूप से तैयार किया गया है, जैसे की **Chemistry, Zoology, Botany, Statistics, Hindi, History, Home Science** इत्यादि।

परिषद् सदस्य प्रो0 बी0डी0 शुक्ला द्वारा कहा गया सभी पाठ्यक्रम 52 Credits के है, जबकि इतिहास की अध्ययन समिति द्वारा तैयार किया गया पाठ्यक्रम 48 Credits का हैं, उक्त के सम्बन्ध में विशेष आमंत्रित सदस्य प्रो0 संजय जैन द्वारा अवगत कराया गया कि 04 Credit Minor पेपर के भी है।

.....5

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

बाह्य विशेषज्ञ प्रो0 अवनीश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय में भी तीन तरह से पाठ्यक्रम बनाये गये है। Minor पाठ्यक्रम एवं वोकेशनल पाठ्यक्रमों के लिए सभी को स्वतंत्रता प्रदान की गई है।

अध्यक्ष महोदया द्वारा कहा गया कि Project Work को Inter disciplinary किया जा सकता है, जिस पर सभी सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई।

परिषद् सदस्य प्रो0 राजीव शुक्ला द्वारा शंका व्यक्त की गयी कि सत्र 2022–23 में परास्नातक स्तर पर जो प्रवेश लिये गये है, क्या उन पर NEP-2020 लागू है, जिस पर विशेष आंमत्रित सदस्य प्रो0 वी0के0 सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि प्रवेश NEP-2020 के अर्न्तगत ही लिये गये है, जिसके Admission Rules पूर्व से ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रसारित है।

उपरोक्त विस्तृत चर्चा के उपरान्त कला संकाय की संस्तुतियों को अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद संख्या–4	विज्ञान संकाय की बैठक दिनांक 30.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–4) टिप्पणीः– NEP-2020 के निर्देशानुसार अध्ययन समितियों द्वारा स्नातक स्तर पर III, IV, V एवं VI सेमिस्टर के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करते हुये लगभग 25 प्रतिशत तक पाठ्यक्रम संशोधित किये गये एवं कुछ विषयों में शासन से प्राप्त पाठ्यक्रमों को यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया तथा परास्नातक स्तर पर सभी विषयों के पाठ्यक्रमों की NEP-2020 की Guidelines के अनुसार 100 प्रतिशत नवीन संरचना की गयी। जिनका अनुमोदन विज्ञान संकाय द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम निम्नवत् हैः– (i) Chemistry (ii) Mathematics (iii) Botany (iv) Statistics (v) Zoology (vi) Physics

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

निर्णयः–	परिषद् द्वारा विज्ञान संकाय की संस्तुतियों पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–5	वाणिज्य संकाय की बैठक दिनांक 30.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–5) टिप्पणीः– NEP-2020 के निर्देशानुसार अध्ययन समितियों द्वारा स्नातक स्तर पर III, IV, V एवं VI सेमिस्टर के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करते हुये लगभग 25 प्रतिशत तक पाठ्यक्रम संशोधित किये गये एवं कुछ विषयों में शासन से प्राप्त पाठ्यक्रमों को यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया तथा परास्नातक स्तर पर सभी विषयों के पाठ्यक्रमों की NEP-2020 की Guidelines के अनुसार 100 प्रतिशत नवीन संरचना की गयी। जिनका अनुमोदन वाणिज्य संकाय द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम निम्नवत् हैः– (i) Business Administration (ii) Applied Business Economics (iii) Accounts & Law
निर्णयः–	परिषद् द्वारा वाणिज्य संकाय की संस्तुतियों पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया। परिषद् सदस्य डा0 ए0सी0 गुप्ता द्वारा कहा गया कि शासन द्वारा NEP पाठ्यक्रम में Commerce को केवल Commerce माना गया है, न कि 03 विभागों में विभाजित किया गया है। प्रतिउत्तर में सदस्य डा0 एस0सी0 सिंघल द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अधिनियम में वाणिज्य पहले से ही 03 विभागों में विभाजित है। अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि कृपया आप लोग अपना–अपना प्रत्यावेदन लिखकर प्रस्तुत करें। डा0 सिद्धार्थ द्वारा अवगत कराया गया कि वाणिज्य का 03 विभागों में विभाजन ही न्याय संगत है, क्योंकि विषय विशेषज्ञता आवश्यक है। उक्त कथन पर अधिकतर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

----------7

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

मद संख्या–6	ललित कला संकाय की बैठक दिनांक 30.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–6) टिप्पणीः– NEP-2020 के निर्देशानुसार अध्ययन समितियों द्वारा स्नातक स्तर पर III, IV, V एवं VI सेमिस्टर के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करते हुये लगभग 25 प्रतिशत तक पाठ्यक्रम संशोधित किये गये एवं कुछ विषयों में शासन से प्राप्त पाठ्यक्रमों को यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया तथा परास्नातक स्तर पर सभी विषयों के पाठ्यक्रमों की NEP-2020 की Guidelines के अनुसार 100 प्रतिशत नवीन संरचना की गयी। जिनका अनुमोदन ललित कला संकाय द्वारा किया गया। पाठ्यक्रम निम्नवत् हैः– (i) **Music** (ii) **Drawing & Painting**
निर्णयः–	परिषद् द्वारा ललित कला संकाय की संस्तुतियों को सर्वसम्मति से यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–7	गृह विज्ञान संस्थान, खन्दारी, आगरा की एकेडेमिक कमेटी की बैठक दिनांक 31.08.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–7) टिप्पणीः– गृह विज्ञान संस्थान, खन्दारी, आगरा द्वारा **NEP-2020** के निर्देशानुसार **B.Sc. Home Science** के रूप में सत्र 2022–23 से प्रारम्भ करने की संस्तुति की गई है तथा **B.Sc. Home Science** के अर्न्तगत **Minor** पाठ्यक्रम **Curricular** पाठ्यक्रम एवं वोकेशनल पाठ्यक्रम की भी संस्तुति की गई है।
निर्णयः–	एकेडेमिक कमेटी की संस्तुतियों में **B.Sc. Home Science(Regular Course)** अंकित होने के कारण परिषद् द्वारा निदेशिका गृह विज्ञान संस्थान को अवगत कराया गया कि कोई भी नवीन पाठ्यक्रम **Regular Mode** में बिना शासन की अनुमति के प्रारम्भ नही किया जा सकता है, जिस पर निदेशिका प्रो0 अचला गक्खर द्वारा स्पष्ट किया गया कि **'B.Sc. Home Science** नवीन पाठ्यक्रम नही है, बल्कि पूर्व से ही संचालित **Regular** पाठ्यक्रम है, जिसके पाठ्यक्रम को

----------8

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

	NEP-2020 की Guidelines के अनुसार परिवर्तित कर सत्र 2022–23 से प्रारम्भ करने की संस्तुति की गयी है। तदोपरान्त उक्त मद को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–8	विश्वविद्यालय कम्प्यूटर सेन्टर, खन्दारी, आगरा की एकेडेमिक कमेटी की बैठक दिनांक 30.04.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–8) टिप्पणीः- B.C.A. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम आर्हतायें निर्धारित की गयी तथा VI सेमिस्टर में viz.Python Programming (C-601) and Software Engineering(C-602) जोड़े गये तथा सत्र 2022–23 से 60–60 सीटों के 02 सैक्शन बढाने हेतु संस्तुति की गयी।
निर्णयः–	परिषद् द्वारा उक्त मद पर विचार विमर्श कर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–9	विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग संस्थान, खन्दारी, आगरा की एकेडेमिक कमेटी की बैठक दिनांक 01.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–9) टिप्पणीः–बैठक में निम्न बिन्दुओं पर संस्तुति की गईः– (i) To finalize the Curriculum/Syllabi for Diploma Courses in Civil Engineering, Computer Science Engineering Electrical Engineering and Mechanical Engineering. (ii) Proposal for "M.Sc. in Electronics" in ECE Department. (iii) Proposal for "PG Diploma in Machine Learning and Artificial Intelligence" in CSE Department
निर्णयः–	एकेडेमिक कमेटी की संस्तुतियों के बिन्दु संख्या (ii) पर विचार विमर्श करते हुये परिषद् सदस्य प्रो0 वी0के0 सारस्वत द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में पूर्व से ही दाऊदयाल संस्थान में संचालित है। अतः परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बिन्दु संख्या–(ii) को स्थगित करते हुये एकेडेमिक कमेटी की अन्य संस्तुतियों को यथावत् अनुमोदन प्रदान किया गया।

----------9

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

मद संख्या–10	**Department of Physical Education** छलेसर, आगरा की एकेडेमिक कमेटी की बैठक दिनांक 17.09.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–10) टिप्पणीः– निम्न पाठयक्रमों को सत्र 2022–23 से प्रारम्भ किये जाने की संस्तुति की गई हैः– (i) **M.P.E.S. Two Years Four Semester Course.** (ii) **One Year P.G. Diploma in Yoga Education** (iii) **B.A. in Yoga Three Year Course** (iv) **M.A. in Yoga**
निर्णयः–	उक्त संस्तुतियों को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया, साथ ही परिषद् द्वारा यह सुझाव दिये गये कि सत्र 2022–23 से प्रारम्भ हुये नवीन पाठ्यक्रमों की Viability भी देख ली जाय, जिस पर माननीय कुलपति द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि एकेडेमिक ऑडिट समिति गठित है, जिसके द्वारा एकेडेमिक ऑडिट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जायेगी एवम् उक्त रिपोर्ट के आधार पर ही यह तय किया जायेगा कि आगामी सत्र में किन पाठ्यक्रमों को निरन्तर रखना है एवम् किन पाठ्यक्रमों को निरन्तर नही रखना है। कमेटी को यह देखना होगा कि सत्र 2022–23 में संचालित पाठ्यक्रमों में से कौन–कौन से पाठ्यक्रम Viable है तथा छात्रों को आकर्षित करने में सक्षम है अथवा नही। माननीय कुलपति द्वारा यह अवगत कराया गया कि 02 वर्षो तक प्रयास करने पर यदि अपेक्षित प्रवेश नही होता है तो विद्या परिषद् में निर्णय लिया जायेगा। एकेडेमिक ऑडिट समिति की संस्तुतियों के अनुसार निर्णय लेने हेतु माननीय कुलपति जी को अधिकृत किया गया। परिषद् सदस्य प्रो0 ब्रजेश रावत द्वारा यह सुझाव दिया गया कि किसी भी पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने से पूर्व पाठ्यक्रम के उद्देश्य आय–व्यय इत्यादि के सम्बन्ध में एक कार्य योजना तैयार किया जाना आवश्यक है, जिस पर परिषद् द्वारा सहमति व्यक्त की गयी।
मद संख्या–11	प्राचार्य, बी0वी0आर0आई0 बिचपुरी, आगरा के पत्र दिनांक 30.05.2022 पर विचार किया जाना, जिसके द्वारा उन्होंने ग्रामीण विज्ञान/संकाय की स्थापना हेतु अनुरोध किया है। (परिशिष्ट–11)

----------10

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

निर्णयः–	उक्त मद के सम्बन्ध में प्रो0 सीमा भदौरिया द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि बलवन्त विद्यापीठ रूरल इन्स्टीट्यूट, बिचपुरी, आगरा की स्थापना बहुत ही प्राचीन है, जिसमें संचालित विषय बहुत ही Valuable है, उन्होंने यह भी अवगत कराया कि सम्पूर्ण भारत वर्ष में इस प्रकार के केवल 11 संस्थान है, जिसमें से एक हमारे विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है, जोकि हमारे लिए गौरव की बात है। उक्त संस्थान में संचालित विषय अभी तक कला संकाय के अर्न्तगत ही संचालित थे, परन्तु दिनांक 15.06.2021 के शासनादेश में ग्रामीण विज्ञान संकाय पृथक रूप से अंकित है। अतः उक्त के आधार पर ग्रामीण संकाय का गठन किया जाना उचित होगा, जिस पर अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि शासनादेश के अर्न्तगत दिनांक 16.06.2021 के शासनादेश संकायों के विषय में निम्न बात कही गयी है:– "संकायों में विषयों के वर्गीकरण की यह व्यवस्था मात्र विषय कोडिंग एवं छात्रों को बहुविषयकता उपलब्ध कराने हेतु है। विश्वविद्यालय विशेष में प्रचलित संकाय एवं उनकी प्रशासनिक व्यवस्था पूर्ववत् चलती रहेगी।" बाह्य विशेषज्ञ प्रो0 राजेश धाकरे द्वारा कहा गया कि नवीन संकाय का गठन एक जटिल प्रकिया है, जिस पर हमें गम्भीरता से निर्णय लेना आवश्यक होगा, जिस पर डा0 सीमा भदौरिया द्वारा यह निवेदन किया गया कि उक्त कार्य हेतु एक समिति का गठन कर दिया जाय, जिसके द्वारा नवीन संकाय के गठन हेतु जो भी प्रकिया होती हो, उसके लिए रिपोर्ट तैयार कर ली जाय, जिस पर परिषद् के सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी तथा **समिति के गठन हेतु कुलपति जी को अधिकृत किया गया।**
मद संख्या–12	रिसर्च एडवाईजरी कमेटी की बैठक दिनांक 30.05.2022, 14.07.2022 एवं 09.11.2022 में लिये गये निर्णयों के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–12)
निर्णयः–	परिषद् सदस्य एवं डीन रिसर्च प्रो0 विनीता सिंह द्वारा रिसर्च एडवाईजरी कमेटी की बैठक दिनांक 30.05.2022, 14.07.2022 एवं 09.11.2022 की संस्तुतियों को विस्तृत रूप से परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर डा0 आर0के0 भारती द्वारा कहा गया कि दिनांक 09.11.2022 के कार्यवृत्त के विन्दु संख्या–2 में से पंजीकृत शब्द को हटाकर पंजीकृत शोध छात्र/प्री पी0एच–डी0 कोर्स पास किये हुये छात्र जोड़ा जाय तथा कार्यवृत्त के बिन्दु संख्या–7 में आर्यभट्ट टीचिंग असिस्टेन्ट के

----------11

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

	सम्बन्ध में प्रति कुलपति प्रो0 अजय तनेजा द्वारा प्रकाश डालते हुये आर्यभट्ट योजना को प्रस्तुत किया गया तथा यह भी अवगत कराया गया कि आर्यभट्ट योजना में पूर्व में की गयी नियुक्तियाँ Heads की Recommendation के आधार पर ही की गयी है, जिस पर डा0 आर0के0 भारती द्वारा यह सुझाव दिया गया कि Selection Committee Single Handed न होकर बहुसदस्यीय होना चाहिए, जिस पर अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि Heads की Demand पर बाह्य व्यक्तियों को Selection Committee में रखा जा सकता है, जिस पर बाह्य विशेषज्ञ प्रो0 अलका शर्मा द्वारा सहमति व्यक्त की गयी तथा तद्नुसार आर्यभट्ट टीचिंग असिस्टेन्ट के चयन हेतु प्रस्तावित/प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गयी। सचिव द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि समिति की संस्तुतियों के आधार पर पी0एच–डी0 अर्डिनेन्स तैयार कर शासन को भेजा जायेगा एवं शासन की स्वीकृति के उपरान्त लागू किया जायेगा। उक्त के साथ रिसर्च एडवाईजरी कमेटी की बैठक दिनांक 30.05.2022, 14.07.2022 एवं 09.11.2022 की संस्तुतियों को अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–13 निर्णयः–	नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसार परास्नातक पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु तैयार किये गये अध्यादेश अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–13) उक्त मद पर अध्यादेश गठन समिति एवं परिषद् सदस्य प्रो0 एस0पी0 सिंह, प्राचार्य, सैन्ट जौंस कालेज, आगरा द्वारा अध्यादेश को परिषद् के समक्ष विस्तृत रूप से परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसमें Minor विषय को लेकर परिषद् के सदस्यों के मध्य कुछ शंकायें थी, जिसको स्पष्ट करते हुये प्रो0 एस0पी0 सिंह द्वारा बताया गया कि **सेमिस्टर 1 to 4 एवम् सेमिस्टर 7 to 8 कोई भी Minor विषय Even to Even and Odd to Odd Minor** विषय के रूप में लिया जा सकता है। उक्त संशोधन के साथ परास्नातक अध्यादेशों को अनुमोदन प्रदान किया गया तथा परिषद् सदस्य डा0 यशपाल सिंह द्वारा यह सुझाव दिया गया कि चूंकि हमारे विश्वविद्यालय से स्ववित्तपोषित महाविद्यालय भी जुडे हुये है एवम् उनका कोई भी सदस्य हमारी किसी भी समिति या परिषद् में नही होता है। अतः कुछ दिनों बाद उन सबको भी आमंत्रित करते हुये एक Workshop आयोजित की जानी चाहिए, जिससे कि NEP 2020 का Concept उनके समक्ष भी स्पष्ट हो सकें एवम् NEP-2020 को लागू करने मे कम से कम समस्याओं का समाना करना पडे।

----------12

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

मद संख्या–14	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की Guidelines के अर्न्तगत Professor of Practice के सम्बन्ध में विचार विमर्श। (परिशिष्ट–14)
निर्णयः–	उक्त मद को सचिव द्वारा परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर डा0 आर0के0 भारती द्वारा कहा गया कि जब तक यू0जी0सी0 की गाइडलाइन्स के सम्बन्ध में कोई शासनादेश प्राप्त नही होता है या हमारा विश्वविद्यालय उसे अपने Statutes में समाहित नही कर लेता है, तब तक इस पर Implement किया जाना उचित नही है, जिस पर परिषद् के सभी सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी। अध्यक्ष द्वारा परिषद् को अवगत कराया गया कि उक्त गाइडलाइन्स केवल वोकेशनल पाठ्यक्रमों के लिए है, जिस पर सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यू0जी0सी0 की गाइडलाइन्स सभी विद्या परिषद् सदस्यों को प्रेषित किया जाय एवम् आगामी विद्या परिषद् की बैठक में Discussion हेतु प्रस्तुत किया जाय, जिस पर परिषद् के सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से सहमति प्रदान की गई।
मद संख्या–15	निदेशक, के0एम0आई0 संस्थान, पालीवाल पार्क, आगरा के प्रस्ताव दिनांक 10.10.2022 के आधार पर विदेशी भाषा विभाग में दो शिक्षकों 1. श्री अनुज गर्ग (रशियन भाषा) एवं 2. श्री विशाल शर्मा (जर्मन भाषा) को मात्र शैक्षणिक सत्र 2022–23 अथवा नियमित/संविदा पर नियुक्ति होने तक जो भी पूर्व में हो रू0 500/– प्रति व्याख्यान अथवा अधिकतम रू0 25000/– प्रतिमाह की सीमा के अर्न्तगत शैक्षणिक कार्य कराये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान किये जाने पर विचार विमर्श । (परिशिष्ट–15)
निर्णयः–	परिषद् द्वारा उक्त मद पर सम्यक् विचारोपरान्त सर्व सम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–16	विश्वविद्यालय के आई0क्यू0ए0सी0 द्वारा प्रस्तावित संशोधित Vision, Mission के अनुमोदन पर विचार किया जाना। (परिशिष्ट–16)
निर्णयः–	उक्त मद को प्रति कुलपति एवम् निदेशक, आई0क्यू0ए0सी0 प्रो0 अजय तनेजा द्वारा परिषद् के मध्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय Vision को निम्नवत् पढ़ाः–

----------13

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

	"To be quality higher education institution by producing students with knowledge, professional skills and ethical values and remain as a preferred partner to the Industry and Community for their progress and development." तथा उन्होंने परिषद् को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय का Motto पूर्ववत् ही रहेगाः– **"Tamso Maa Jyotirgamay"** **"Lead me form darkness to light"** तदोपरान्त उन्होंने विश्वविद्यालय के तथा उन्होंने विश्वविद्यालय के Mission एवं Core Value से अवगत कराया, जो निम्नवत् हैः– **Mission:** **(1) To make our education relevant and excellent.** **(2) To contribute to the advancement of knowledge through research, publication and disseminations.** **(3) To develop student aptitudes and skills as well as make then conscious of their duty to the country and to fellow human beings.** **(4) Promote a culture of excellent in all activities of the University by implementing good practices.** **Core Values:** **(1) Academic freedom and flexibility.** **(2) Collegiality and team work.** **(3) Concern for the environment and society.** **(4) Transparency and accountability for all stake holders.** परिषद् द्वारा सर्व सम्मति से विश्वविद्यालय के Vision, Mission को अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–17 निर्णयः–	**New Self Financing Course M.Sc. Data Science** को सत्र 2022–23 के लिए **Institute of Social Science, Paliwal Park Agra** से **Department of Mathematics, Khandari, Agra** में स्थानान्तरित किये जाने पर विचार। **(परिशिष्ट–17)** प्रो0 मीनाक्षी श्रीवास्तव द्वारा अवगत कराया गया कि समाज विज्ञान संस्थान में आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण M.Sc. Data Science को Mathematics Department में स्थानान्तरित किया गया है, जिस पर प्रो0 संजीव शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि सत्र 2022–23 में उक्त पाठ्यक्रम में एक भी छात्र का प्रवेश नही हुआ है। अतः उक्त मद को **परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से स्थगित किये** जाने का निर्णय लिया गया।

----------14

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

मद संख्या–18	डा0 प्रदीप कुमार वर्मा, विदेशी भाषा विभाग, के0एम0आई0 पालीवाल पार्क, आगरा के दिनांक 07.11.2022 प्रस्ताव आवासीय इकाई के विभिन्न विभागों में अध्ययनरत् छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक विभाग के वरिष्ठ शिक्षक को समन्वयक के रूप में नियुक्त करने के सम्बन्ध में विचार। (परिशिष्ट–18)
निर्णयः–	परिषद् द्वारा उक्त मद पर सम्यक् विचारोपरान्त सर्व सम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।
मद संख्या–19	**M.Sc. (Seed Technology)** का पाठ्यक्रम अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–19)
निर्णयः–	परिषद् द्वारा उक्त मद पर सम्यक् विचारोपरान्त सर्व सम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मद

मद संख्या–1	स्कूल ऑफ लाइफ साइंस, खन्दारी, आगरा **Deptt. Of Forestry** की एकेडेमिक कमेटी की बैठक दिनांक 09.06.2022 की संस्तुतियाँ अनुमोदन हेतु प्रस्तुत। (परिशिष्ट–1)
निर्णयः–	परिषद् द्वारा **Deptt. Of Forestry** की संस्तुतियों, जिनके अर्न्तगत **NEP-2020** के अनुसार **M.Sc. Forestry of Revised Ordinance, M.Sc. Forestry** का **revised** पाठ्यक्रम एवं **Minor Subject** हेतु पाठ्यक्रम को अनुमोदन प्रदान किया गया।

कृषि संकायाध्यक्ष डा0 के0पी0 सिंह द्वारा अनुरोध किया गया कि Agriculture के Ordinance तैयार करने हेतु कमेटी गठित करने का कष्ट करें, जिस पर सर्व सम्मति से निम्न सदस्यों की समिति का गठन किया गयाः–

(i) कृषि संकाय के संकायाध्यक्ष।

(ii) कृषि संकाय के सभी विषयों के संयोजक।

डा0 वीरेन्द्र चौहान द्वारा सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों की सूची, परीक्षा का केलेण्डर बनाकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाय, जिससे पठन पाठन ठीक प्रकार से हो तथा परीक्षाओं का परिणाम भी समय से जारी हो।

----------15

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar

अध्यक्ष महोदया द्वारा सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास व्यक्त किया गया कि विश्वविद्यालय सभी से समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध कार्य प्रणाली बनाने के लिए वचनबद्ध है, ताकि छात्रों को अधिकाधिक लाभ हो सकें।

अन्त में अध्यक्ष की अनुमति से सचिव द्वारा बैठक में उपस्थिति सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुये बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

कुलपति

कुलसचिव

Signature Not Verified
RAJEEV KUMAR
Digitally Signed By Registrar